

22 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

पर्यावरण:

1. भारत को जल तनाव, जलवायु लचीलेपन के लिए तैयार करना:
2. धरती के रखवालों को सशक्त बनाएं, उन्हें लूटें नहीं:
3. नवीकरणीय ऊर्जा की चुनौतियाँ:

अर्थव्यवस्था:

1. गंभीर आकलन:

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. ऑस्ट्रेलिया 'शीर्ष स्तरीय साझेदार' के जरिए भारत के साथ संबंधों को गहरा करेगा:
2. एमपॉक्स वायरस विकसित होने और मनुष्यों को संक्रमित करने के लिए 'जीनोमिक अकॉडिंग' का उपयोग करता है:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

भारत को जल तनाव, जलवायु लचीलेपन के लिए तैयार करना:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: जल तनाव के प्रति व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता।

विवरण:

- भारत को अधिक गर्मी और लंबे समय तक चलने वाली लू का सामना करना पड़ता है, जिससे जल तनाव की चुनौती से निपटने हेतु तैयारी की आवश्यकता होती है।
- देश में परंपरागत रूप से जल के तीव्र तनाव को दीर्घकालिक जोखिमों के बजाय अस्थायी आपदाओं के रूप में माना जाता है।
- जलवायु लचीलापन चुनौतियों की दीर्घकालिक प्रकृति को समझने के लिए जल्दबाजी में की गई प्रतिक्रियाओं से बदलाव की मांग करता है।
- पर्यावरणीय स्थिरता को वृक्षारोपण अभियान जैसी अल्पकालिक पहलों तक सीमित नहीं किया जा सकता है।

भारत की अर्थव्यवस्था में जल का अंतर्संबंध:

- भारत में पानी जल विज्ञान, खाद्य उत्पादन और ऊर्जा प्रणालियों से जुड़ा हुआ है।

- नीला (सतह और भूजल) और हरा (मिट्टी की नमी और वनस्पति) पानी दोनों कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो भारत की लगभग आधी आबादी को रोजगार देता है।
- वर्षा के पैटर्न में बदलाव से कृषि प्रभावित होती है, जिससे नौकरी की सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए जल तनाव के प्रति लचीलापन महत्वपूर्ण हो जाता है।
- हरित हाइड्रोजन उत्पादन और पंप भंडारण जलविद्युत जैसी स्वच्छ ऊर्जा पहल में पानी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जल सुरक्षा पर जलवायु संकट के प्रभावों को संबोधित करना:

- हाल के दशकों में प्राकृतिक आपदाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जल से संबंधित है, जो जल सुरक्षा के महत्व पर बल देता है।
- भारत में बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है, जो मीठे पानी के प्रबंधन पर ध्यान देने की तात्कालिकता को उजागर करती है।
- प्रभावी जल प्रशासन नीतियों को पानी, भोजन और ऊर्जा प्रणालियों के बीच संबंध को पहचानना चाहिए।
- जल उपयोग की अन्योन्याश्रितताओं को संबोधित करने के लिए नीतियों में साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण और सामुदायिक सहभागिता को शामिल किया जाना चाहिए।

जल सुरक्षा और जलवायु लचीलापन प्राप्त करने की रणनीतियाँ:

- भारत को राष्ट्रीय जल मिशन और अमृत 2.0 जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ तालमेल बिठाते हुए जल लेखांकन और कुशल पुनःउपयोग के माध्यम से विवेकपूर्ण जल उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- मौजूदा शमन प्रयासों के पूरक के रूप में जल क्षेत्र में जलवायु अनुकूलन के लिए धन जुटाने के लिए वित्तीय साधनों का लाभ उठाया जाना चाहिए।

- अपशिष्ट जल प्रबंधन और जलवायु-लचीली कृषि पद्धतियों जैसे अनुकूलन-विशिष्ट हस्तक्षेपों के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती है।
- ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम जैसे बाज़ार नवाचार पानी से संबंधित अनुकूलन उपायों के लिए निवेश जुटा सकते हैं, जिससे धन की कमी को पूरा किया जा सकता है।

निष्कर्ष: जल-सुरक्षा और जलवायु-लचीली अर्थव्यवस्था की ओर

- तत्काल प्रणालीगत परिवर्तन अवास्तविक हो सकता है, लेकिन भारत जल, ऊर्जा और जलवायु नीतियों को संरेखित करके इसकी शुरुआत कर सकता है।
- जल बचत के लिए डेटा-संचालित आधार रेखा स्थापित करना और नए वित्तीय साधनों को सुविधाजनक बनाना जल-सुरक्षित और जलवायु-लचीली अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

सारांश:

- जैसा कि भारत आसप्रे जल तनाव और जलवायु चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में अपनी अर्थव्यवस्था में जल के परस्पर जुड़ाव को समझना और जल सुरक्षा और जलवायु लचीलापन के लिए रणनीतिक नीतियों को लागू करना सतत विकास के लिए अनिवार्य है।

धरती के रखवालों को सशक्त बनाएं, उन्हें लूटें नहीं:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: संरक्षण आरक्षित बनाम जनजातीय अधिकार।

विवरण:

- मेरो और मेन्चल के द्वीप स्वदेशी दक्षिणी निकोबारी लोगों के लिए गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखते हैं, जिन्होंने सहस्राब्दियों से पारंपरिक रूप से इन भूमियों का प्रबंधन और संरक्षण किया है।
- समुदाय के बुजुर्ग इन द्वीपों के संरक्षक और देखभालकर्ता के रूप में कार्य करते हैं, संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करते हैं और उनके पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करते हैं।
- आध्यात्मिक मान्यताएँ संरक्षण के लिए स्वदेशी दृष्टिकोण को आकार देती हैं, मेन्चल जैसे द्वीपों को आध्यात्मिक संस्थाओं के निवास के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है जो जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन का मार्गदर्शन करते हैं।

संरक्षण उपनिवेशवाद का अधिरोपण:

- स्वदेशी भूमि स्वामित्व और प्रबंधन प्रणालियों के बावजूद, अंडमान और निकोबार (Andaman and Nicobar (A&N)) प्रशासन ने मेरो, मेन्चल और लिटिल निकोबार द्वीपों पर वन्यजीव अभयारण्य स्थापित करने की योजना की एकत्रफा घोषणा की है।
- प्रशासन द्वीपों पर उनके पारंपरिक अधिकारों और प्रस्तावित अभयारण्यों पर उनकी आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए, दक्षिणी निकोबारी समुदाय से परामर्श करने या सूचित करने में विफल रहा।
- आधिकारिक अधिसूचनाओं ने स्वदेशी आबादी के लिए उनके सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व की उपेक्षा करते हुए, इन द्वीपों के महत्वपूर्ण हिस्सों को वन्यजीव अभयारण्यों के रूप में नामित किया है।

संरक्षण उपायों के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव:

- संरक्षण रिजर्व के रूप में मेरो और मेन्चल द्वीपों के चयन की इसकी मनमानी प्रकृति के लिए आलोचना की गई है, जिसमें वास्तविक जैव विविधता और प्रमुख प्रजातियों की प्रचुरता के बारे में सवाल उठाए गए हैं।

- वन्यजीव अभयारण्यों की स्थापना संयोगवश विवादास्पद परियोजनाओं के साथ हुई, जैसे कि ग्रेट निकोबार पर एक मेगा-विकास परियोजना के लिए गैलाथिया खाड़ी वन्यजीव अभयारण्य की अधिसूचना रद्द करना।
- इस मेगा-परियोजना से व्यापक पर्यावरणीय क्षति होने का अनुमान है, जिसमें जंगलों, मूँगा चट्ठानों और लुप्तप्राय प्रजातियों के घोंसले के स्थानों के विनाश के साथ-साथ स्वदेशी समुदायों का विस्थापन भी शामिल है।

स्वदेशी अधिकारों और बुद्धिमत्ता को कायम रखना:

- स्वदेशी लोग, जिनमें वैश्विक जनसंख्या का 6% शामिल है, पृथ्वी ग्रह के लगभग 22% भूभाग और इसकी 80% जैव विविधता के मूल संरक्षक हैं।
- दुनिया भर में सरकारें अक्सर विकास या संरक्षण के नाम पर स्वदेशी अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, समुदायों को उनकी पैतृक भूमि से विस्थापित करती हैं।
- वैश्विक प्रयासों को स्वदेशी लोगों से उनके क्षेत्रों और जीवनशैली को छीनने के बजाय, उन्हें अपनी पैतृक भूमि का प्रबंधन जारी रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए समर्थन और सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सारांश:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में वन्यजीव अभयारण्यों का एकतरफा अधिरोपण स्वदेशी अधिकारों और पारिस्थितिक ज्ञान की उपेक्षा करता है, पैतृक भूमि के सहसाब्दी पुराने प्रबंधन को कमजोर करता है और जैव विविधता संरक्षण प्रयासों को खतरे में डालता है।

नवीकरणीय ऊर्जा की चुनौतियाँ:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: सौर ऊर्जा और भूमि अधिग्रहण का मुद्दा।

विवरण: जलवायु परिवर्तन से निपटने की तात्कालिकता

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के कार्यकारी सचिव, साइमन स्टिल ने पृथ्वी को बचाने के लिए अगले दो वर्षों के लिए महत्वपूर्ण प्रकृति पर जोर देने की बात कही है।
- विकास, स्थिरता और जलवायु परिवर्तन शमन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं लेकिन अभी तक पूरी तरह से समझे नहीं गए हैं।
- वर्तमान विकास मॉडल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, अस्थिरता और असमानता में योगदान करते हैं।

बड़े पैमाने पर सौर पार्कों की चुनौतियाँ:

- भारत की शमन रणनीति की आधारशिला के रूप में बड़े पैमाने पर सौर पार्कों पर निर्भरता।
- सौर पार्कों के पास स्थानीय समुदायों के अलग-अलग अनुभव: सामान्य भूमि का नुकसान, आर्थिक असमानता और जल सुरक्षा के मुद्दे।
- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर जल और भूमि सहित प्राकृतिक संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा।
- जैव विविधता की हानि और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर इसके संभावित प्रभाव।

चुनौतियों को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण:

- सामुदायिक भागीदारी और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सौर पार्कों के लिए वैकल्पिक स्वामित्व मॉडल की खोज करना।
- पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को संबोधित करने, भूमि मालिकों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने और योजना प्रक्रियाओं में स्थानीय शासन इकाइयों को शामिल करने के लिए कानूनी और नियामक ढांचे को संशोधित करने की आवश्यकता है।

- समता और पर्यावरणीय परिणामों में सुधार के लिए बंजर भूमि वर्गीकरण में सुधार करना और वन अधिकार अधिनियम के तहत सामान्य भूमि को मान्यता देना।
- कृषि पद्धतियों के साथ सौर ऊर्जा उत्पादन को एकीकृत करने के लिए एग्रीवोल्टिक्स के अनुसंधान और कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करना।

सतत ऊर्जा क्रांति के अवसर का लाभ उठाना:

- नवीकरणीय ऊर्जा विकास के अनपेक्षित परिणामों की संभावना को पहचानना।
- स्थिरता, जलवायु परिवर्तन शमन और विकास लक्ष्यों के बीच तालमेल को अधिकतम करने के लिए तकनीकी, आर्थिक और संस्थागत संरचनाओं को संरेखित करना।
- प्रतिकूल रोजगार बदलावों को कम करने और कमज़ोर आबादी की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महत्व पर जोर देना।

सारांश:

- तत्काल जलवायु कार्बवाई के बीच, बड़े पैमाने पर सौर पार्कों पर भारत की निर्भरता चुनौतियों का सामना कर रही है। असमान स्थानीय अनुभव, संसाधन प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय प्रभावों के लिए संशोधित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए ऊर्जा विकास को स्थिरता और न्यायसंगत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने की आवश्यकता है।

गंभीर आकलन:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

अर्थव्यवस्था:

विषय: समावेशी विकास और उससे उत्पन्न मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: बढ़ती वैश्विक असमानता और संभावित समाधान।

विवरण: वैश्विक आर्थिक आउटलुक

- आईएमएफ ने प्रतिकूल झटकों और केंद्रीय बैंक की कार्रवाइयों के बीच लचीलेपन को दर्शाते हुए 2024 में वैश्विक विकास के लिए अपने पूर्वानुमान को बढ़ाकर 3.2% कर दिया है।
- उन्नत अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से यू.एस., ने विकास को गति दी है और दुनिया भर में मांग को स्थिर किया है।

अर्थव्यवस्थाओं के बीच बदलती असमानता:

- कम आय वाले विकासशील देशों, विशेष रूप से अफ्रीका और लैटिन अमेरिका, एशिया और प्रशांत के कुछ हिस्सों में, विकास दर में गिरावट और मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ रहा है।
- इन देशों को COVID-19 महामारी के कारण गंभीर आर्थिक झटके झेलने पड़े हैं, जिससे उनके पुनर्प्राप्ति प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है।

बढ़ता ऋण बोझ और प्रभाव:

- बढ़ते ऋण सेवा दायित्वों के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सुरक्षा जाल जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक वस्तुओं पर खर्च में बाधा आ रही है।
- विश्व बैंक ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि दुनिया के 75 सबसे गरीब देशों में से आधे देश अमीर देशों के साथ आय के बढ़ते अंतर का अनुभव कर रहे हैं, जो विकास में "ऐतिहासिक उलटफेर" का प्रतीक है।
- 1.9 अरब लोगों की आबादी वाले ये देश भूख और कुपोषण से बुरी तरह प्रभावित हैं, सरकारें कर्ज संकट से जूझ रही हैं।

वैश्विक सहायता हेतु आव्वान:

- सबसे गरीब देशों में और अधिक आर्थिक गिरावट को रोकने के लिए अमीर देशों से तत्काल समर्थन मिलना महत्वपूर्ण है।

- विश्व बैंक इन देशों को गरीबी के चक्र से मुक्त होने और वैश्विक समृद्धि में आत्मनिर्भर योगदानकर्ता बनने में सक्षम बनाने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर देता है।
- दक्षिण कोरिया, चीन और भारत जैसे ऐतिहासिक उदाहरण राष्ट्रों को सहायता प्राप्तकर्ताओं से आर्थिक महाशक्तियों तक पहुंचाने में अंतर्राष्ट्रीय सहायता की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित करते हैं।

सारांश:

- वैश्विक अर्थव्यवस्था का लचीलापन अमीर और गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई को छुपाता है। बढ़ते कर्ज़ के बोझ से कम आय वाले देशों में सुधार में बाधा आ रही है, जिससे आगे की आर्थिक गिरावट को रोकने और वैश्विक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अमीर देशों से तत्काल समर्थन की मांग हो रही है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. ऑस्ट्रेलिया 'शीर्ष स्तरीय साझेदार' के जरिए भारत के साथ संबंधों को गहरा करेगा:

प्रसंग:

- भारत ऑस्ट्रेलिया के लिए एक शीर्ष स्तरीय सुरक्षा भागीदार है, ऑस्ट्रेलिया की नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति (एनडीएस) 2024 में कहा गया हैं की वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर जोर देती है।
- एनडीएस में भारत को ऑस्ट्रेलिया के लिए एक शीर्ष स्तरीय सुरक्षा भागीदार के रूप में रेखांकित किया गया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- ऑस्ट्रेलिया भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में देखता है।

- ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी व्यावहारिक सहयोग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- एनडीएस का लक्ष्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय पहल, रक्षा उद्योग सहयोग और सूचना साझाकरण जैसे विभिन्न माध्यमों से भारत के साथ रक्षा सहयोग को गहरा करना है।
- ऑस्ट्रेलियाई दूत फिलिप ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष स्तरीय सुरक्षा भागीदार के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि की है।

महत्व:

- ऑस्ट्रेलिया न केवल भारत के साथ बल्कि दक्षिण पूर्व एशिया, प्रशांत, हिंद महासागर और उत्तरी एशिया में भागीदारों के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ाने में निवेश करने की योजना बना रहा है।
- भारत के साथ सीमा सहित संघर्षों के बढ़ते जोखिम को पहचानते हुए, एनडीएस क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय उपायों के महत्व को रेखांकित करता है।

2. एमपॉक्स वायरस विकसित होने और मनुष्यों को संक्रमित करने के लिए 'जीनोमिक अकार्डियन' का उपयोग करता है:

प्रसंग:

- **पॉक्सवायरस (Poxviruses) का परिचय:**
 - कुख्यात चेचक सहित पॉक्सवायरस ने ऐतिहासिक रूप से मानव स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण खतरे पैदा किए हैं।
 - चेचक के टीके ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल की शक्ति को प्रदर्शित करते हुए, इस बीमारी को खत्म करने के लिए एक वैशिक प्रयास को जन्म दिया है।
- **एमपॉक्स का उद्भव (Mpox):**

- एमपॉक्स, जिसे पहले मंकीपॉक्स के रूप में जाना जाता था, मनुष्यों के बीच छिटपुट प्रकोप के साथ उभरा।
- 2022-2023 में एक वैश्विक प्रकोप के कारण व्यापक चिंता हुई और WHO ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की है।

समस्याएँ:

- **एमपॉक्स का जीनोमिक विकास:**

- एमपॉक्स वायरस में अद्वितीय जीनोमिक विशेषताएं होती हैं, जिसमें उनके जीनोम का विस्तार या अनुबंध करने की क्षमता भी शामिल है।
- दोहराव, उत्परिवर्तन और विलोपन द्वारा सुगम ये जीनोमिक परिवर्तन, एमपीओएक्स को चयनात्मक विकासवादी दबावों के अनुकूल होने की अनुमति देते हैं।

- **2022 के प्रकोप का प्रभाव:**

- 2022 के प्रकोप, जो मुख्य रूप से अत्यधिक संक्रामक क्लैड IIb द्वारा संचालित हैं ने विश्व स्तर पर हजारों लोगों को संक्रमित किया।
- नए संक्रमणों में आई गिरावट के बावजूद, एमपॉक्स बिना टीकाकरण वाली आबादी के बीच फैल रहा है, जिससे अधिक विषेश उपभेदों के उद्भव के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं।

महत्व:

- **जीनोमिक अध्ययन:**

- नेचर कम्प्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन सहित हालिया शोध, एमपॉक्स की जीनोमिक वास्तुकला पर प्रकाश डालता है।
- विशेष जीनोमिक क्षेत्र, जिन्हें पहले अनदेखा किया गया था, वायरस की संचरण क्षमता और विकासवादी प्रक्षेपवक्र को प्रभावित करते पाए गए।

- **क्लैड विविधता और विषाणु:**

- एमपॉक्स जीनोम को दो व्यापक समूहों में वर्गीकृत किया गया है, प्रत्येक में अलग-अलग वंशावली और विषाणु प्रोफ़ाइल हैं।
- क्लैड I (Clade I) का कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में बहुत अधिक प्रकोप हुआ था, जिसने वायरल प्रसार और विकास पर नज़र रखने में जीनोमिक निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला।

- **सार्वजनिक स्वास्थ्य निहितार्थ:**

- समय पर जीनोमिक जांच वायरल गतिशीलता को समझने और प्रकोप को रोकने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों का मार्गदर्शन करने में सहायता करती है।
- उभरते रोगजनकों के खतरे को कम करने और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा की सुरक्षा के लिए जीनोमिक अनुसंधान और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों को मिलाकर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार किजिए:

1. पवन, सौर और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से हरित हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है।
2. सौर ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से पानी से हाइड्रोजन गैस निकालकर पीली हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 2. भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों निम्नलिखित में से किसके सदस्य हैं?

1. क्वैड (Quad)
2. ऑक्स (AUKUS)
3. हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (Indian Ocean Rim Association)
4. आसियान (ASEAN)

सही उत्तर का चयन किजिए:

- (a) केवल 1,3 और 4
- (b) केवल 1, 2 और 3
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: a

व्याख्या:

- भारत ऑक्स (AUKUS) का सदस्य नहीं है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार किजिए:

1. इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईडीए) एक बहुराष्ट्रीय वित्तीय संस्था है जो गरीब देशों को क्रण

के रूप में सहायता प्रदान करती है।

2. सामूहिक रूप से IBRD और IDA को विश्व बैंक के रूप में जाना जाता है।
3. आईबीआरडी और आईडीए समान नेतृत्व साझा करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- सभी कथन सही हैं।

प्रश्न 4. गैलाथिया बे वन्यजीव अभ्यारण्य, जो अक्सर समाचारों में देखा जाता है, स्थित है:

- (a) अण्डमान और निकोबार
- (b) ओडिशा
- (c) पश्चिम बंगाल
- (d) केरल

उत्तर: a

व्याख्या:

- यह अण्डमान और निकोबार में स्थित है। इसे ग्रेट निकोबार पर ₹ 72,000 करोड़ की मेंगा परियोजना के लिए डिनोटिफाई किया गया था।

प्रश्न 5. Mpox के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार किजिए:

1. एमपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है जिसके लक्षण चेचक के समान होते हैं।
2. प्राथमिक संक्रमण किसी संक्रमित जानवर के रक्त, शारीरिक तरल पदार्थ, या त्वचीय या श्लैष्मिक घावों

के सीधे संपर्क के माध्यम से होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने गलत हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. तेज़ गर्मियों की शुरुआत और लंबे समय तक चलने वाली हीट वेब्स (लू) के साथ, भारत में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चुनौतियों और रणनीतियों पर चर्चा किजिए। जलवायु-लचीली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों के साथ जल प्रबंधन को एकीकृत करने के महत्व की जांच किजिए। (15 अंक, 250 शब्द) (सामान्य अध्ययन - III, पर्यावरण) (With the onset of hotter summers and longer heat waves, discuss the challenges and strategies for ensuring water security in India. Examine the importance of integrating water management with the agriculture and energy sectors to build a climate-resilient economy. (15 Marks, 250 Words) (General Studies – III, Environment))

प्रश्न 2. उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के आर्थिक विकास प्रक्षेप पथों के बीच असमानताओं में योगदान देने वाले अंतर्निहित कारकों का मूल्यांकन किजिए और उन संभावित नीतिगत उपायों पर चर्चा करें जिन्हें इन असमानताओं को कम करने के लिए आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अपनाया जा सकता है। (15 अंक, 250 शब्द) (सामान्य अध्ययन - III, अर्थव्यवस्था) (Evaluate the underlying factors contributing to disparities between the economic growth trajectories of advanced economies and those of the developing countries and discuss the potential policy measures that could be adopted by international institutions

like the IMF and the World Bank to mitigate these disparities. (15 Marks, 250 Words) (General Studies – III, Economy))

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

